सीएम योगी की मौजूदगी में आनंदा डेयरी और ब्राजील की दो कंपनियों के मध्य हुआ एमओयू, निवेश के क्षेत्र में मिली बड़ी सफलता

पशुचारा-गोवंश नस्ल सुधार में सहयोग करेगा ब्राजील

पहल

लखनऊ, विशेष संवाददाता। प्रदेश के डेयरी सेक्टर को बड़ा औद्योगिक स्वरूप देने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रयासों को सोमवार को बड़ी सफलता मिली है। ब्राजील की दो बड़ी कंपनियों ने प्रदेश की आनंदा डेयरी के साथ मिलकर पोषण युक्त पशु चारा निर्माण और गोवंश नस्ल सुधार के लिए साथ मिलकर काम करने का निर्णय लिया है।

बीते दिसंबर 2022 में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट रोड शो के दौरान ब्राजील गई टीम यूपी के साथ हुई बातचीत के बाद अब इसे क्रियान्वित किया जा रहा है। सोमवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और भारत में ब्राजील के राजदूत केनेथ नोब्रेगा की उपस्थिति में आनंदा डेयरी के साथ ब्राजीलियन कंपनी अमेरिया पजोरा और बीएच एम्ब्रियोस के साथ औपचारिक एमओयू सम्पन्न हुआ। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत एवं ब्राजील के संबंध सदा मैत्रीपूर्ण रहे हैं। वित्तीय वर्ष 2022-23 में भारत से ब्राजील को 4.5 बिलियन यूएस डॉलर का निर्यात किया गया तथा ब्राजील से भारत द्वारा 7.14 बिलियन यूएस डॉलर का आयात हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत एवं ब्राजील के बीच कृषि, खाद्य प्रसंस्करण एवं पशुपालन द्विपक्षीय सहयोग के अन्य प्रमुख फोकस क्षेत्र हैं। उन्होंने कहा कि ब्राज़ील और भारत के गोधन की आनुवंशिक विरासत समान है। सदियों पहले निर्यात किए गए गिर और कांकरेज जैसे भारतीय मवेशियों को बड़ी मात्रा में दूध देने के लिए तैयार किया गया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में यूपी और ब्राजील की कंपनियों के बीच करार हुआ।

दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में होगी वृद्धि

मुख्यमंत्री ने कहा कि डेयरी समूह आनंदा ग्रुप और ब्राजील की कंपनियों, अमेरिया पजोरा एवं बीएच एम्ब्रियोस के बीच एमओयू यूपी के किसानों के लिएपशुओं के पोषण एवं प्रजनन में उपयोग की जाने वाली तकनीक के माध्यम से दूध उत्पादन में वृद्धि के मार्ग को प्रशस्त करने में मदद करेगी। ब्राजील के राजदूत ने भी समझौते पर खुशी जताई।

प्रदेश में बन रहे 40 प्रतिशत मोबाइल फोन, निर्यात में आगे

लखनऊ, विशेष संवाददाता। देश में बनने वाले 40 प्रतिशत मोबाइल हैंडसेट्स का उत्पादन उत्तर प्रदेश में हो रहा है। वहीं, 55 प्रतिशत मोबाइल कॉम्पोनेंट्स का उत्पादन अकेले उत्तर प्रदेश में हो रहा है। इस कारण यूपी देश में कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक गुड्स का सबसे बड़ा निर्यातक बनकर उभरा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन व कमिटमेंटस से हासिल इन उपलब्धियों को हाल में 'इन्वेस्ट इंडिया' ने अपने आंकड़ों में दर्शाया है। 'इनवेस्ट इंडिया' के आंकड़ों के अनुसार, उत्तर प्रदेश में इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम डिजाइन व मैनुफैक्चरिंग (ईएसडीएम) सेक्टर से जुड़ी 196 कंपनियां कार्यरत हैं। वर्तमान में उत्तर प्रदेश में 30 स्पेशल इकॉनमिक जोन व 40 आईटी व आईटीईएस पार्क हैं।

30 विशेष आर्थिक क्षेत्र वर्तमान में उत्तर प्रदेश में मौजूद

15 एग्रो व फूड प्रोसेसिंग क्लस्टर्स से खाद्य प्रसंस्करण में तेजी

बढ़ा दबदबा: उत्तर प्रदेश आज देश में सबसे बड़े रोड नेटवर्क वाल राज्य के रूप में पहचान बना रहा है मेरठ, मुरादाबाद, कन्नौज, कानपुर आगरा, वाराणसी, भदोही व लखनऊ प्रदेश के मुख्य व्यापारिक केंद्रों के तौर पर अपनी पकड़ मजबू कर रहे हैं। खाद्यान्न की दिशा में त उत्तर प्रदेश पहले से ही अग्रणी है मगर अब देश में फूड प्रोडक्शन के लिहाज से 8 प्रतिशत से ज्याद उत्पादों का उत्पादन उत्तर प्रदेश में ह रहा है।